16 फरवरी 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

शासन:

1. **सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बांड योजना को रद्द कर इसे असंवैधानिक बताया:**

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

सामाजिक मुद्दे:

1. **एक हस्तक्षेप जो कानूनी शिक्षा को मजबूत करने में मदद करेगा:**

सामाजिक न्याय:

1. **स्वास्थ्य नीति में बड़ी विविधता वाला कमजोर बिंदु:**

F. **प्रीलिम्स तथ्य:**

1. **भारत, नेपाल ने तेजी से धन प्रेषण के लिए यूपीआई, एनपीआई को जोड़ने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए:**
2. **वैश्विक बैठक में भारत से पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दालों का उत्पादन बढ़ाने का आग्रह किया गया:**
3. **ग्रीस की संसद समलैंगिक विवाह और गोद लेने को वैध बनाने के लिए तैयार है:**

G. **महत्वपूर्ण तथ्य:**

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. **UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

I. **UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न**:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी बांड योजना को रद्द कर इसे असंवैधानिक बताया:

शासन:

विषय: सरकार की नीतियां और विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिए हस्तक्षेप एवं उनके डिजाइन तथा इनके अभिकल्पन से उत्पन्न होने वाले विषय।

मुख्य परीक्षा: चुनावी बांड योजना पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला।

विवरण:

- एक ऐतिहासिक फैसले में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court of India) ने देश के राजनीतिक परिदृश्य में पारदर्शिता के एक नए युग की शुरुआत करते हुए, चुनावी बांड योजना को रद्द कर दिया है। यह फैसला, जो असीमित राजनीतिक दान की अनुमति देने वाले संशोधनों को भी अमान्य करता है, भ्रष्टाचार और चुनावी प्रक्रियाओं में अनुचित प्रभाव के खिलाफ चल रही लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

पारदर्शिता और कॉर्पोरेट प्रभाव का अभाव:

- चुनावी बॉन्ड योजना (Electoral Bonds Scheme) की लंबे समय से इसकी पारदर्शिता में कमी, राजनीतिक दाताओं के नाम गुमनाम रखने और दाताओं तथा लाभार्थियों के बीच परस्पर लाभ की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आलोचना की जाती रही है।
- इस योजना के संशोधनों ने अप्रतिबंधित कॉर्पोरेट दान की अनुमति दी, जिससे राजनीतिक निर्णयों को आकार देने में धनी निगमों के अनुचित प्रभाव के बारे में चिंताएँ पैदा हुईं।

पारदर्शिता और जवाबदेही पर न्यायालय का जोर:

- सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में राजनीतिक वित्त पोषण (funding) में पारदर्शिता और जवाबदेही के बुनियादी महत्व को रेखांकित किया।

- सर्वोच्च न्यायालय ने इस योजना द्वारा निर्मित अंतर्निहित असंतुलन पर प्रकाश डाला, जिसने राजनीतिक वित्तपोषण के बारे में जानकारी तक पहुंचने के लिए आम नागरिकों के अधिकारों की बजाय कॉर्पोरेट हितों का समर्थन किया।

मतदाता अधिकारों और चुनाव की सत्यनिष्ठा की रक्षा करना:

- यह फैसला मतदाता अधिकारों की सुरक्षा और चुनावों की अखंडता को संरक्षित करने के उद्देश्य से पिछले फैसलों के अनुरूप है।
- चुनावी बांड योजना को अमान्य करके, सर्वोच्च न्यायालय ने लोकतंत्र के सिद्धांतों को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाया है कि चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे।

भावी कदम:

- हालाँकि,सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय भारतीय राजनीति में पारदर्शिता के लिए एक महत्वपूर्ण जीत का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि अघोषित दान के प्रभाव और आगे के सुधारों की आवश्यकता के बारे में सवाल बने हुए हैं।
- अपारदर्शी राजनीतिक वित्तपोषण प्रथाओं के पुनरुत्थान को रोकने के लिए सख्त नियमों और निरीक्षण तंत्र को लागू करना आवश्यक होगा।

सारांश:

- चुनावी बांड योजना को रद्द करने का सर्वोच्च न्यायालय का फैसला भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण का संकेत देता है। पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता देकर, अदालत ने लोकतंत्र के सिद्धांतों को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है कि सत्ता के गलियारों में आम नागरिकों की आवाज़ सुनी जाए।

संपादकीय-द हिन्दू

संपादकीय:

एक हस्तक्षेप जो कानूनी शिक्षा को मजबूत करने में मदद करेगा:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

सामाजिक मुद्दे:

विषय: भारतीय समाज पर वैश्वीकरण का प्रभाव।

मुख्य परीक्षा: भारत में कानूनी शिक्षा प्रणाली को मजबूत करना।

विवरण:

- कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसदीय स्थायी समिति ने भारत में कानूनी शिक्षा पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है, जिसमें महत्वपूर्ण सिफारिशें प्रस्तावित हैं।
- स्वतंत्रता के बाद चिकित्सा और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में कानूनी शिक्षा पर उतना ध्यान नहीं दिया गया है।
- 1990 के दशक में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (national law universities (NLUs)) की स्थापना ने एक सकारात्मक बदलाव को चिह्नित किया, लेकिन चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं, विशेष रूप से अनुसंधान और वैश्विक मान्यता जैसे क्षेत्रों में।

नया नियामक ढाँचा:

- समिति कानूनी शिक्षा को विनियमित करने में बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) की शक्तियों को सीमित करने का सुझाव देती है, जिसमें राष्ट्रीय कानूनी शिक्षा और अनुसंधान परिषद (NCLER) नामक एक स्वतंत्र निकाय की स्थापना का प्रस्ताव है।
- एनसीएलईआर (National Council for Legal Education and Research (NCLER)) मुकदमेबाजी अभ्यास के लिए बुनियादी पात्रता से परे कानूनी शिक्षा के पहलुओं को विनियमित

करने पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसका लक्ष्य कानूनी विशेषज्ञों और शिक्षाविदों के इनपुट के साथ गुणात्मक मानक स्थापित करना है।

अनुसंधान फोकस बढ़ाना:

- भारत के कई लॉ स्कूल शोध से अधिक शिक्षण को प्राथमिकता देते हैं, जिससे पश्चिमी कानूनी ज्ञान पर निर्भरता बढ़ जाती है।
- यह समिति छात्रों के बीच आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने के लिए कानूनी शिक्षा में अनुसंधान को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर देती है।
- भारतीय लॉ स्कूलों में अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए शीर्ष वैश्विक शोधकर्ताओं की भर्ती और राज्य वित्त पोषण बढ़ाने की सिफारिश की गई है।

वैश्वीकरण को अपनाना:

- कानूनी शिक्षा पर वैश्वीकरण के प्रभाव को पहचानते हुए, समिति एक वैश्विक पाठ्यक्रम विकसित करने, छात्रों और संकाय के लिए अंतरराष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रमों की सुविधा प्रदान करने और अधिक अंतरराष्ट्रीय कानून पाठ्यक्रमों को एकीकृत करने जैसी पहल का प्रस्ताव करती है।
- इन प्रयासों का उद्देश्य भारतीय लॉ स्कूलों को वैश्वीकृत दुनिया में फलने-फूलने के लिए तैयार करना और छात्रों को विविध कानूनी प्रणालियों से परिचित कराना है।

संस्थागत चुनौतियों का समाधान:

- कानून संकायों और विश्वविद्यालयों के भीतर प्रभावी नेतृत्व सर्वोपरि है, इसके लिए भावुक और दूरदर्शी व्यक्तियों की आवश्यकता होती है जो उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अनुकूल माहौल तैयार करते हैं।

- कानूनी अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक स्वतंत्रता और स्वायत्तता को आवश्यक माना जाता है, जिससे विद्वानों को प्रतिशोध के डर के बिना विविध दृष्टिकोण व्यक्त करने की अनुमति मिलती है।

सारांश:

- संसदीय समिति की रिपोर्ट में भारत में कानूनी शिक्षा को बढ़ाने के लिए सुधारों का प्रस्ताव दिया गया है, एक नए नियामक निकाय की वकालत की गई है, अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित किया गया है, वैश्वीकरण की पहल की गई है और हितधारकों के सहयोग के आह्वान के साथ संस्थागत चुनौतियों का समाधान किया गया है।

स्वास्थ्य नीति में बड़ी विविधता वाला कमजोर बिंदु:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

सामाजिक न्याय:

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: स्वास्थ्य क्षेत्र में महिलाओं का कम प्रतिनिधित्व और इसका प्रभाव।

विवरण:

- केवल 18% महिलाएं स्वास्थ्य पैनलों में नेतृत्व पदों पर हैं, जो भारत की स्वास्थ्य नीति में महत्वपूर्ण लैंगिक असमानता को उजागर करती हैं।
- प्रमुख स्वास्थ्य समितियों में नई दिल्ली के पुरुषों, डॉक्टरों, नौकरशाहों और व्यक्तियों जैसे विशेषाधिकार प्राप्त समूहों का अत्यधिक प्रतिनिधित्व विविधता की कमी को उजागर करता है।
- सत्ता का यह केंद्रीकरण प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए महत्वपूर्ण विविध दृष्टिकोणों की उपेक्षा करता है।

स्वास्थ्य समितियों में लैंगिक असमानता:

- 1943 से 2020 तक भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य समितियों का विश्लेषण एक स्पष्ट लिंग अंतर दिखाता है, जिसमें केवल 11% महिलाओं की भागीदारी थी।
- कोविड-19 प्रबंधन पर देवी शेट्टी समिति जैसे निर्णय लेने वाले निकायों में महिला प्रतिनिधित्व की कमी स्वास्थ्य संकटों से निपटने में विविध विशेषज्ञता की आवश्यकता को रेखांकित करती है।
- हालाँकि 2000 के बाद लिंग विविधता में थोड़ा सुधार हुआ है, महिलाओं का प्रतिनिधित्व 9% से बढ़कर 15% हो गया है, फिर भी महत्वपूर्ण अंतर बना हुआ है।

<u>नीति और कार्यान्वयन पर विविधता का प्रभाव:</u>

- शहरी क्षेत्रों के विशेषाधिकार प्राप्त पुरुषों के प्रभुत्व वाली समितियाँ अक्सर स्वास्थ्य नीतियों में सामर्थ्य और अंतर-घरेलू गतिशीलता जैसे सूक्ष्म मुद्दों की अनदेखी करती हैं।
- अग्रिम पंक्ति में महिलाओं की एकाग्रता, कम वेतन वाले पद, सांस्कृतिक मानदंडों और पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में उनकी प्रगति में बाधा आती है।
- वैश्विक स्तर पर,स्वास्थ्य सेवा में महिलाओं का केवल 25% वरिष्ठ पदों पर और नेतृत्व की भूमिकाओं पर केवल 5% हिस्सेदारी हैं, जो कम प्रतिनिधित्व और सीमित सलाह के अवसरों के चक्र में योगदान देती हैं।

<u>समावेशी नीति निर्माण सम्बन्धी सिफ़ारिशें:</u>

- सकारात्मक नीतियां, जैसे स्वास्थ्य समितियों में महिलाओं और हाशिए पर रहने वाले समूहों के लिए सीटें आरक्षित करना, प्रतिनिधित्व की कमी को दूर कर सकती हैं।
- स्थापित पूर्वाग्रहों और प्रणालीगत बाधाओं का मुकाबला करते हुए, नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए योग्य महिलाओं की पहचान करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

- नीति-निर्माण के लिए एक पुनर्निर्धारित दृष्टिकोण में समावेशी और प्रभावी स्वास्थ्य नीतियों को सुनिश्चित करने के लिए विविधता, निवारक देखभाल और प्रभावित समुदायों की सार्थक भागीदारी को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

सारांश:

- भारत की स्वास्थ्य नीति को विविधता के खतरे का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें केवल 18% महिलाएं नेतृत्व की भूमिकाओं में हैं और विशेषाधिकार प्राप्त समूहों का प्रतिनिधित्व अधिक है। यह केंद्रीकृत दृष्टिकोण प्रभावी सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों के लिए महत्वपूर्ण समावेशी निर्णय लेने में बाधा डालता है।

प्रीलिम्स तथ्य:

1. भारत, नेपाल ने तेजी से धन प्रेषण के लिए यूपीआई, एनपीआई को जोड़ने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए:

प्रसंग:

- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) और नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने भारत और नेपाल के बीच वित्तीय कनेक्टिविटी बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

मुद्दा:

- भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (nified Payments Interface (UPI)) और नेपाल के नेशनल पेमेंट्स इंटरफेस (एनपीआई) जैसे अपने तेज भुगतान सिस्टम को एकीकृत करने के लिए संदर्भ की शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर और आदान-प्रदान करके, दोनों केंद्रीय बैंकों का लक्ष्य निर्बाध सीमा पार प्रेषण की सुविधा प्रदान करना है।

- यह सहयोग न केवल त्वरित और कम लागत वाले फंड हस्तांतरण को सक्षम बनाता है बल्कि दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को भी मजबूत करता है।

- यूपीआई-एनपीआई लिंकेज का एकीकरण क्षेत्र में अधिक वित्तीय सहयोग को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।
- आदान-प्रदान किए गए टीओआर के आधार पर आवश्यक सिस्टम स्थापित किए जाने के साथ, संचालन की औपचारिक शुरुआत आसन्न है।

महत्व:

- यह कदम द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और सीमाओं के पार वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की दिशा में आरबीआई और एनआरबी के सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाता है।

2. वैश्विक बैठक में भारत से पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दालों का उत्पादन बढ़ाने का आग्रह किया गया:

प्रसंग:

- वैश्विक दलहन सम्मेलन ने दलहन उत्पादकों, प्रोसेसरों और व्यापारियों को बुलाया और भारत से पोषण संबंधी मांगों को पूरा करने के लिए दलहन उत्पादन बढ़ाने का आग्रह किया।

मुद्दा:

- मंत्रियों ने खेती को प्रोत्साहित करने के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में नियमित बढ़ोतरी पर प्रकाश डालते हुए सरकार के प्रयासों की सराहना की।
- पिछले एक दशक में दलहन उत्पादन में 60% की वृद्धि, उत्पादन लागत से 50% अधिक एमएसपी देने की सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना करती है।
- चना और अन्य दालों में भारत की आत्मनिर्भरता, अरहर और उड़द दाल की कमियों को दूर करने की रणनीति पर काम चल रहा है।

महत्व:

- सम्मेलन पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए दाल उत्पादन बढ़ाने की दिशा में सामूहिक प्रयास को रेखांकित करता है।

3. ग्रीस की संसद समलैंगिक विवाह और गोद लेने को वैध बनाने के लिए तैयार है:

प्रसंग:

- रूढ़िवादी चर्च के विरोध के बावजूद, ग्रीस की संसद समलैंगिक विवाह और गोद लेने को वैध बनाने के ऐतिहासिक फैसले के कगार पर है।

मुद्दा:

- आसन्न कानून एलजीबीटीक्यू+ अधिकारों की जीत और पारंपरिक बाधाओं से हटने का प्रतीक है।
- ग्रीस लंबे समय से चली आ रही रूढ़िवादिता को चुनौती देते हुए समावेशिता और समानता को अपनाने वाले देशों की बढ़ती सूची में शामिल हो गया है।
- यह कदम सिर्फ एक कानूनी मील का पत्थर नहीं है, बल्कि एक सांस्कृतिक बदलाव है, जो एक अधिक सहिष्णु समाज के लिए विकसित होते मूल्यों और आकांक्षाओं को दर्शाता है।
- जैसा की ग्रीस इस परिवर्तनकारी क्षण से गुजर रहा है, वह मौलिक अधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है और अपने नागरिकों की विविध टेपेस्ट्री को पहचानता है।

महत्व:

- समलैंगिक विवाह और गोद लेने का वैधीकरण अधिक समावेशी और न्यायसंगत भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. ओंकारेश्वर बांध किस नदी पर स्थित है?

(a) गोदावरी नदी
(b) तवा नदी
(c) नर्मदा नदी
(d) ताप्ती नदी

उत्तर: c
व्याख्या:

- ओंकारेश्वर बांध नर्मदा नदी पर स्थित है। यह भारत के मध्य प्रदेश में एक प्रमुख जलविद्युत परियोजना है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मिलन (MILAN) एक द्विवार्षिक बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है, जिसकी शुरुआत 1995 में भारतीय नौसेना द्वारा की गई थी।
2. क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (SAGAR) पहल एक समुद्री पहल है जो हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की शांति, स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र को प्राथमिकता देती है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?
(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c
व्याख्या:

- भारतीय नौसेना द्वारा 1995 में शुरू किया गया द्विवार्षिक नौसैनिक अभ्यास, भारत की 'एक्ट ईस्ट

पॉलिसी' और पीएम मोदी की SAGAR पहल के अनुरूप विकसित हुआ है।

- क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (SAGAR) पहल वास्तव में एक समुद्री पहल है जिसका उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित करना है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. नई रोशनी योजना का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सभी शेष गैर-विद्युतीकृत घरों को अंतिम मील कनेक्टिविटी और बिजली कनेक्शन द्वारा ऊर्जा पहुंच प्रदान करना है।
2. गरीब परिवारों की महिलाओं को मुफ्त रसोई LPG कनेक्शन प्रदान करने के लिए प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना शुरू की गई थी।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: b

व्याख्या:

- नई रोशनी योजना बिजली कनेक्शन से संबंधित नहीं है; यह मुख्य रूप से अल्पसंख्यक महिलाओं के नेतृत्व विकास पर केंद्रित है।

- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उद्देश्य गरीब परिवारों की महिलाओं को मुफ्त रसोई LPG कनेक्शन प्रदान करना है।

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. सर्वावैक भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित क्वाड्रिवेलेंट ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (क्यूएचपीवी) वैक्सीन है जिसे वायरस के चार उपभेदों-टाइप 6, टाइप 11, टाइप 16 और टाइप 18 के खिलाफ प्रभावी कहा जाता है।
2. इसे भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

- **सर्वावैक (Cervavac) भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित क्वाड्रिवेलेंट ह्यूमन पैपिलोमावायरस (qHPV) वैक्सीन है, जो वायरस के चार प्रकारों के खिलाफ प्रभावी है। इसे सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा विकसित किया गया है।**

प्रश्न 5. इनमे में से कौन अंग्रेजी में अनुदित प्राचीन भारतीय धार्मिक गीतिकाव्य - 'सॉन्ग्स फ्रॉम प्रिज़न' से सम्बद्ध है? PYQ (2021)

(a) बाल गंगाधर तिलक

(b) जवाहरलाल नेहरू

(c) मोहनदास करमचंद गांधी

(d) सरोजिनी नायडू

उत्तर: c

व्याख्या:

- **मोहनदास करमचंद गांधी, जिन्हें महात्मा गांधी के नाम से भी जाना जाता है, 'सॉन्ग्स फ्रॉम प्रिज़न' से जुड़े हैं, जो प्राचीन भारतीय धार्मिक गीतों का अंग्रेजी में अनुवाद हैं।**

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. राजनीतिक चंदे के संदर्भ में निजता के अधिकार और सूचना के अधिकार के बीच संतुलन पर चर्चा कीजिए। (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-2, राजव्यवस्था] (Discuss the balance between the right to privacy and the right to information in the context of political donations. (15 marks, 250

words) [GS-2, Polity])

प्रश्न 2. "क्या स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के समुदाय की लैंगिक संरचना महिला-केंद्रित स्वास्थ्य हस्तक्षेपों में एक बाधा है?" (10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-2, सामाजिक न्याय] ("Is a gendered composition of health care providers' community, an impediment in women-centric health interventions? " (10 marks, 150 words) [GS-2, Social Justices])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर BYJU'S की वेव साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)